नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 176
दि. 28.10.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

बिहार में एसआईआर सफल, वोटर लिस्ट फ्रीज, अब 12 राज्यों में फेज-2 शुरू-पूरा प्रोसेस

(जीएनएस)।

भारत निर्वाचन आयोग ने सोमवार को विशेष गहन संशोधन (रक्फ़) को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने देशभर में रक्फ़ की प्रक्रिया और तारीखों की घोषणा की। बिहार में पहले चरण की शानदार सफलता के बाद अब 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में रक्फ़ का दूसरा चरण शुरू होगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि बिहार में SIR का पहला चरण पूरी तरह सफल रहा। बिहार के 7.5 करोड़ मतदाताओं ने इसमें सक्रिय भागीदारी दिखाई और पूर्ण विश्वास जताया। उन्होंने कहा, 'बिहार के लोगों ने रक्फ़को अपनाया, जिसके परिणाम अब सबके सामने हैं। मैं छठ के अवसर पर सभी मतदाताओं को नमन करता हूं।' बिहार में रक्फ़ की सफलता के बाद तमिलनाडु में भी इसे लागू करने की संभावना जताई गई।

SIR का दूसरा चरणः 12 राज्यों में होगा मतदाता सूची का अपडेट

चुनाव आयोग ने ऐलान किया कि रक्फ़का दूसरा चरण जल्द शुरू होगा, जिसमें 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मतदाता सूची को अपडेट किया जाएगा। यह प्रक्रिया अगले एक साल में होने वाले विधानसभा चुनावों, खासकर असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों को ध्यान में रखकर शुरू की जाएगी। हालांकि, जहां स्थानीय निकाय चुनाव होने हैं, वहां SIR की प्रक्रिया बाद में शुरू होगी, क्योंकि कर्मचारी स्थानीय चुनावों में व्यस्त रहेंगे।

क्रमांक	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	मतदाता (लाख में)	मतदान केंद्र	बी.एल.ओ.	राजनीतिक दलों के बी.एल.ए.	ई.आर.ओ./ए.ई.आर.ओ.	डी.ई.ओ.
1	अंडमान और निकोबार	3.1	411	435	11	3	
2	छत्तीसगढ़	2,12.30	24,371	38,368	467	33	
3	गोवा	11.85	1,725	669	80	2	
4	गुजरात	5,08.39	50,963	28,524	1,037	33	
5	केरल	2,78.50	24,468	54,624	280	14	
6	लक्षद्वीप	0.58	55	65	11	1	
7	मध्य प्रदेश	5,74.05	65,014	1,19,940	762	55	
8	पुडुचेरी	10.21	962	1,376	60	2	

9	राजस्थान	5,48.85	52,490	97,873	933	41	
10	तमिलनाडु	6,41.15	68,467	2,11,445	1,009	38	
11	उत्तर प्रदेश	15,44.24	1,62,486	1,92,986	2,445	75	
12	पश्चिम बंगाल	7,66.24	80,681	18,114	3,353	24	
13	कुल	50,99.46 (51 करोड़)	5,33,093	7,64,419	10,448	321	

SIR की जरूरत क्यों?

मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि मतदाता सूची की गुणवत्ता को लेकर राजनीतिक दल लगातार सवाल उठाते रहे हैं। 1951 से 2004 तक 8 बार रक्फ़ किया जा चुका है, लेकिन आखिरी बार यह 2002-2004 में हुआ था। पिछले 21 सालों में मतदाता सूची में कई खामियां सामने आई हैं, जैसेः-

बार-बार प्रवासः मतदाता एक से अधिक जगहों पर पंजीकृत हो रहे हैं।

मृत मतदाताओं का नामः सूची से हटाया नहीं गया।

गलत प्रविष्टियांः विदेशी व्यक्तियों का गलत तरीके से शामिल होना। इन समस्याओं को दूर करने के लिए रक्फ़ की जरूरत है, ताकि हर योग्य मतदाता को शामिल किया जा सके और सूची को पारदर्शी बनाया जा सके। चुनाव आयोग ने रक्फ़ की प्रक्रिया को और पारदर्शी बनाने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैंः

1. मतदाता सूची का मसौदा और अपडेटः

प्रत्येक मतदान केंद्र पर औसतन 1,000 मतदाता हैं।

प्रत्येक मतदाता के लिए 27 अक्टूबर 2025 तक अद्वितीय गणना प्रपत्र (EF) प्रिंट किया जाएगा।

EF में मतदाता सूची के सभी आवश्यक विवरण शामिल होंगे।

2. बीएलओ की भूमिकाः

बूथ स्तरीय अधिकारी (BLO) प्रत्येक मतदाता को EF वितरित करेंगे।

BLO मतदाताओं को उनके नाम या रिश्तेदारों के नाम को 2002-2004 के SIR डेटाबेस से मिलान करने में मदद करेंगे।

मुस्तफाबाद का नाम होगा 'कबीरधाम', सीएम योगी ने विपक्ष के 'सेक्युलरवाद' को बताया 'पाखंड'

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को लखीमपुर खीरी के मुस्तफाबाद स्थित विश्व कल्याण आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने 'स्मृति प्राकट्योत्सव मेला-2025' में भाग लिया और पूज्य संतों को नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में प्रदेश के धार्मिक स्थलों का पुनरुद्धार और सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है, जबकि पहले यही पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्री बनाने में लगता था। उन्होंने मुस्तफाबाद का नाम बदलकर कबीरधाम रखने की घोषणा की और कहा कि पिछली सरकारों में अयोध्या को फैजाबाद, प्रयागराज को इलाहाबाद और कबीरधाम को मुस्तफाबाद बनाया गया था। हमने इन स्थलों की पहचान वापस लौटाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष इसे सेक्युलरिज्म के नाम पर करता था, जबकि यह पाखंड है।

संत कबीरदास जी की वाणी आज भी समाज का मार्गदर्शन कर रही

कबीरधाम आश्रम में आयोजित इस भव्य आयोजन में मुख्यमंत्री ने राष्ट्रभक्ति, सनातन परंपरा, विरासत के सम्मान, और विकास की दिशा में सरकार की उपलब्धियों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत कबीरदास जी की वाणी आज भी समाज का मार्गदर्शन कर रही है। उन्होंने निर्गुण भक्ति की वह धारा प्रवाहित की जो समाज की विसंगतियों को तोड़कर आत्मा और परमात्मा का संबंध सरल शब्दों में आमजन को समझाने में सफल रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'गुरु गोविंद दोनों खड़े काके लागूं पांव...' यह दोहा आज भी हमें गुरु के महत्व का स्मरण कराता है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संतों की वाणी आज भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी सैकड़ों वर्ष पूर्व थी।

प्रधानमंत्री ने युवाओं से विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2.0 में भाग लेने का आग्रह किया

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज भारत के युवाओं से विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2.0 में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने इसे राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान देने का बहुमूल्य अवसर बताया है। प्रधानमंत्री ने सभी युवा नागरिकों से इस पहल से जुड़ने और विकसित भारत के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा करने का आग्रह किया। उन्होंने युवाओं को इस संवाद में भाग लेने के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया ।

प्रधानमंत्री ने पर संदेश में कहाः 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2.0 हमारे युवाओं के लिए राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का शानदार अवसर है।

अवसर और परंपरा का संगम बना अयोध्या में आयोजित यूपी रीजनल ट्रेड शो

– उत्तर प्रदेश सरकार की पहल से उद्यमियों को मिला बाजार, ज्ञान और नेटवर्किंग का सर्वोतम मंच

– रीजनल ट्रेड शो के दूसरे दिन सरकारी योजनाओं, बाजार और पारंपरिक उद्योगों की भूमिका पर विस्तार से हुई चर्चा

अयोध्या, 27 अक्टूबर, 2025: उत्तर प्रदेश सरकार के उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन विभाग और फिक्की के संयुक्त तत्वाधान में महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय में चल रही उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय व्यापार प्रदर्शनी (वढफ्फर) के दूसरे दिन विभिन्न तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। शनिवार को दिनभर चले इन सत्रों में सरकारी योजनाओं के लाभ, एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) के सशक्तिकरण में और पारंपरिक उद्योगों की भूमिका पर वक्ताओं ने विस्तार से चर्चा की। रीजनल ट्रेड शो अवसर और परंपरा का संगम प्रस्तुत करते हुए उद्यमियों को नए बाजार, ज्ञान और नेटवर्किंग के अनमोल अवसर प्रदान कर रहा है।

आयोजन के दूसरे दिन के पहले सत्र का विषय था 'उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित सरकारी योजनाओं से लाभान्वित होना'। इसमें मुख्य वक्ता श्री उमेश चंद्रा, संयुक्त आयुक्त - उद्योग, उत्तर प्रदेश सरकार, ने राज्य सरकार की उद्यम प्रोत्साहन नीतियों की जानकारी दी और उद्यमियों से इनका अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार छोटे और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए लगातार नीतिगत सुधारों को लागू कर रही है।

इसके बाद आयोजित दोपहर के सत्र में "रीजनल ट्रेड शो और बायर-सेलर मीट्स के माध्यम से सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यमों और उद्यमियों का सशक्तिकरण" विषय पर डॉ. आनंद कुमार दुबे, चीफ प्रॉक्टर, महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय, ने अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से उद्यमियों को न केवल नेटवर्किंग के अवसर मिलते हैं बल्कि व्यापार विस्तार की नई राहें भी खुली हैं।

तीसरे सत्र में 'व्यापार विकास और सांस्कृतिक प्रचार के लिए मार्केटिंग मेलों का लाभ उठानाः उत्तर प्रदेश सरकार की ओडीओपी पहल' विषय पर चर्चा हुई। इसमें डॉ. जया सिंह, सहायक प्रोफेसर, महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय, ने सरकार द्वारा शुरू की गई एक जिला-एक उत्पाद (ODOP) जैसी पहल के बारे में चर्चा की और बताया कि कैसे यह स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और पारंपरिक कला के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

दिन का समापन 'परंपरा का पुनरुद्धार, विकास की ओरः भारत के आर्थिक परिवर्तन में सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यमों और खादी ग्रामोद्योग की भूमिका' विषय पर आधारित सत्र से हुआ। इस दौरान डॉ. राम लखन सिंह, सहायक प्रोफेसर (अर्थशास्त्र), और डॉ. ऋषि राज, सहायक प्रोफेसर, ने बताया कि किस प्रकार खादी और ग्रामोद्योग जैसे पारंपरिक उद्योग ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती से नई गति दे सकते हैं।

ट्रेड शो का दूसरा दिन विचार-विमर्श और अनुभव-साझा करने का केंद्र बना रहा। वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि उत्तर प्रदेश की औद्योगिक नीतियाँ और ओडीओपी जैसी पहलें और व्यापारिक संगठनों का सहयोग मिलकर राज्य की औद्योगिक प्रगति को नई दिशा दे रहे हैं। 17 से 19 अक्टूबर तक चलने वाले इस व्यापार महोत्सव का समापन रविवार को होगा।

घाटकोपर रेलवे स्टेशन के पास स्थित 13 मंजिला रविशा टॉवर में लगी आग, 200 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

मुंबई के घाटकोपर रेलवे स्टेशन के पास स्थित रविशा टॉवर की पहली मंजिल पर शाम के समय भीषण आग लग गई। यह घटना 27 अक्टूबर 2025 को शाम 07:21 बजे हुई। यह रविशा टॉवर एक व्यावसायिक इमारत है, जिसके कारण आग लगने के समय इसमें बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद थे। इमारत के नीचे दुपहिया और चौपहिया वाहनों की पार्किंग भी थी।

आग लगने के बाद शुरूआती क्षणों में अग्निशमन दल के पहुंचने में देरी हुई। जिससे इमारत के अंदर फंसे लोग घबरा गए थे। यह 13 मंजिला रविशा टॉवर घाटकोपर रेलवे स्टेशन के ठीक पास स्थित है। आग इसकी पहली मंजिल पर लगी थी।

इस व्यावसायिक इमारत में 200 से अधिक लोग फंसे हुए थे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल छठ पूजा महापर्व में शामिल हुए

छठ पूजा एकमात्र महापर्व है, जिसमें अस्ताचलगामी सूर्य की पूजा की जाती है : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- गुजरात और बिहार का नाता आदिकाल से विशेष रहा है
- बिहार बुद्ध की भूमि है, तो गुजरात में बौद्ध विरासत का संरक्षण हुआ है
- प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार छठ पूजा को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सूची में शामिल करने के लिए प्रयासरत है

गांधीनगर, 27 अक्टूबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल सोमवार को अहमदाबाद में छठ महापर्व पूजा उत्सव में शामिल हुए। उन्होंने सभी लोगों को दीपोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भव्य-दिव्य राम मंदिर के निर्माण के बाद दिवाली का आनंद और रौनक कई गुना बढ़ गई है। प्रधानमंत्री ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का मंत्र दिया है, जो हमारे त्योहारों को भी साकार करता है।

मुख्यमंत्री ने छठ पूजा के आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि गुजरात में दीपावली के त्योहार पूरे होने के बाद लोग लाभ पंचमी से अपना कामकाज शुरू करते हैं, जबकि बिहार, झारखंड और पूर्वांचल में सूर्य उपासना के छठ महापर्व की शुरूआत होती है।

उन्होंने कहा कि बिहार में छठ महापर्व के साथ-साथ लोकतंत्र के महापर्व के उत्सव का उत्साह है। छठ पूजा को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में लोग उदयाचल सूर्य की पूजा करते हैं, लेकिन छठ पूजा एकमात्र ऐसा महापर्व है, जिसमें अस्ताचलगामी सूर्य की पूजा की जाती है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि गुजरात और बिहार का नाता आदिकाल से विशेष रहा है। बिहार बुद्ध की भूमि है, तो गुजरात में बौद्ध विरासत का संरक्षण हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जन्म स्थल वडनगर भी कभी बौद्ध शिक्षा का एक बड़ा केंद्र था। श्री मोदी जी के मार्गदर्शन में वडनगर में बौद्ध म्यूजियम का विकास किया जा रहा है।

भाकपा माले ने घोषणा पत्र जारी किया- वंचितों के लिए 65% आरक्षण समेत किए ये वादे

(जीएनएस)।

सीपीआई (एमएल) लिबरेशन जिसे हिंदी में भाकपा माले के नाम से भी जाना जाता है, उसने बिहार विधानसभा चुनावों के लिए अपने सभी 12 निवर्तमान विधायकों को फिर से मैदान में उतारा है। पार्टी ने कुल 20 उम्मीदवारों की घोषणा की, जो राज्य की राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा रही है। यह जानकारी एक्स.कॉम/सीपीआईएमएल से मिली है।

महागठबंधन की एक प्रमुख घटक, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन ने रविवार, 26 अक्टूबर, 2025 को बिहार विधानसभा चुनावों के लिए अपना घोषणापत्र जारी किया। इसमें भूमिहीनों के लिए भूमि न्याय और वंचित समुदायों के लिए 65% आरक्षण का वादा किया गया है।

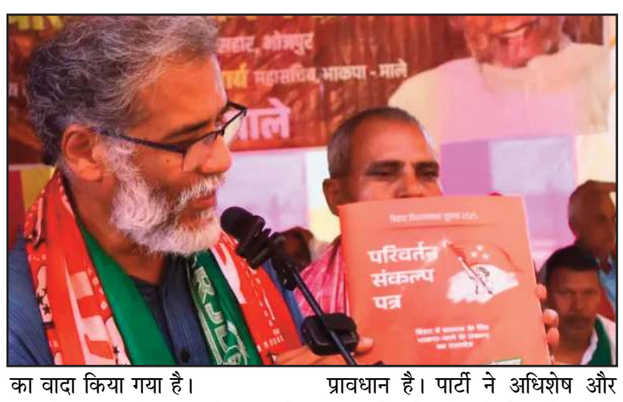

घोषणापत्र में अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST), अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC), और अत्यंत पिछड़ा वर्ग (EBC) सहित इन समुदायों के लिए आरक्षण का प्रावधान है। पार्टी ने अधिशेष और सरकारी भूमि को भूमिहीन परिवारों में वितरित करने का संकल्प लिया है।

जातिगत जनगणना के माध्यम से न्यायसंगत आरक्षण सुनिश्चित करने का वादा किया गया है, जिसमें सरकारी नौकरियों और शिक्षा में 65% कोटा शामिल है। इसके अतिरिक्त, घोषणापत्र में गरीब परिवारों को ₹2,500 की मासिक वित्तीय सहायता का भी जिक्र है, जिसमें महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

भूमि विवादों को सुलझाने और निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित करने के लिए एक भूमि आयोग के गठन का भी वादा किया गया है। अन्य प्रमुख वादों में 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, 10 लाख सरकारी रिक्तियों को भरना और मनरेगा के तहत ₹800 प्रतिदिन की मजदूरी पर 200 दिन का काम सुनिश्चित करना शामिल है।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

वडोदरा मंडल के 41 रेल कर्मचारियों को मिला डीआरएम अवार्ड

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने मंडल के 41 रेल कर्मियों को सुरक्षित ट्रेन परिचालन में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए सम्मानित किया। इन रेल कर्मियों को ड्यूटी के दौरान उनकी सजगता एवं सतर्कता के कारण अप्रिय घटनाओं को रोकने में उनके योगदान के लिए प्रमाण-पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

वडोदरा मंडल के जनसम्पर्क अधिकारी श्री अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मंडल रेल प्रबंधक श्री भडके ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों की सतर्कता की सराहना करते हुए कहा कि ये सभी कर्मचारी अपने कार्य के प्रति समर्पित रहकर दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत बने हैं। इन कर्मचारियों ने संरक्षा के विविध क्षेत्रों जैसे कि वैगन में धुआ निकलते देखा, ब्रेक बाइंडिंग, वैगन का बोल्स्टर स्प्रिंग टूटी अवस्था में तुरंत अपने अधिकारियो को बताना, ट्रैक के पास लगी आग को बुझाना, मानव जीवन की रक्षा करना आदि में सक्रिय योगदान देकर ट्रेनों का सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने में अपना अदम्य उत्साह और प्रतिबद्धता दिखाई।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडलं को इन सभी कर्मचारियों पर गर्व है, जिन्होंने अपनी त्वरित कार्रवाई और सतर्कता से किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को समय रहते रोकने में सहायता की।

भावनगर रेलवे मंडल पर सत्यनिष्ठा की शपथ के साथ 'सर्तकता जागरूकता सप्ताह' का शुभारंभ

पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल पर दिनांक 27 अक्टूबर, 2025 को 'सर्तकताः हमारी साझा जिम्मेदारीह्व थीम के साथ सर्तकता जागरूकता सप्ताह की शुरूआत की गई। यह सप्ताह 27 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2025 तक मनाया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों एवं रेल कर्मचारियों में सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और पारदर्शिता के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। उन्होंने उपस्थित सभी को अपने कार्यों में निष्ठा, पारदर्शिता और कानून के नियमों के पालन का संकल्प दिलाया।

इस अवसर पर मंडल कार्यालय के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सप्ताह भर चलने वाले इस अभियान के अंतर्गत विविध जन-जागरूकता कार्यक्रम, निबंध प्रतियोगिता, व्याख्यान, संगोष्ठी एवं डिजिटल माध्यम से सतर्कता के संदेशों का प्रसार किया जाएगा।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक एवं कर्मचारी में यह भावना जागृत करना है कि सर्तकता केवल एक विभाग की नहीं, बल्कि हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।

रेल मंत्रालय ने रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ द्वारा सत्यनिष्ठा शपथ दिलाकर सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 (27 अक्टूबर-2 नवंबर) की शुरूआत की

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 की थीम "सतर्कताः हमारी साझा जिम्मेदारी" शासन में नैतिक आचरण और पारदर्शिता पर बल देती है

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ने सभी अधिकारियों से पारदर्शिता को सुदृढ़ करने और कदाचार की आशंका कम करने के जरिए ईमानदारी, दक्षता और सार्वजनिक सेवा के मूल्यों को बनाए रखने की अपील की

रेलवे बोर्ड के सतर्कता निदेशालय ने सार्वजनिक सेवा में निवारक सतर्कता और नैतिकता को बढ़ावा देने के लिए संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, पोस्टर अभियानों और संवादमूलक सत्रों सहित सप्ताह भर के कार्यकलापों की योजना बनाई

(जीएनएस)।

रेल मंत्रालय, केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की अगुवाई में आयोजित राष्ट्रव्यापी सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अनुरूप, रेलवे बोर्ड में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 मना रहा है। इस सप्ताह का उद्देश्य लोक प्रशासन में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना है।

इस कार्यक्रम की शुरूआत रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीआरबी) श्री सतीश कुमार द्वारा रेलवे बोर्ड के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाकर हुई। शपथ समारोह में मंत्रालय के विभिन्न निदेशालयों के वरिष्ठ अधिकारियों और पदाधिकारियों ने प्रत्यक्ष और वर्चुअल रुप से भाग लिया। यह समारोह 27 अक्टूबर, 2025 से 2 नवंबर, 2025 तक चलेगा।

केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा अधिसूचित सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 की विषय-वस्तु है, "सतर्कताः हमारी साझा ज़िम्मेदारी।" यह विषय-वस्तु नैतिक आचरण, शासन में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त संगठन के निर्माण के लिए सामूहिक उत्तरदायित्व के महत्व पर बल देती है।

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ ने अपने संबोधन में सुशासन को बढ़ावा देने में सतर्कता की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया और सभी अधिकारियों से ईमानदारी, दक्षता और जनसेवा के मूल्यों को बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने पारदर्शिता को सुदृढ़ करने और कदाचार की आशंका कम करने के लिए भारतीय रेलवे द्वारा किए गए विभिन्न डिजिटल और प्रणालीगत सुधारों को भी रेखांकित किया।

रेलवे बोर्ड के सतर्कता निदेशालय ने पूरे सप्ताह के दौरान कई कार्यकलापों की योजना बनाई है, जिनमें संगोष्ठियां, कार्यशालाएं, पोस्टर अभियान और संवादमूलक सत्र शामिल हैं। इनका उद्देश्य सार्वजनिक सेवा में निवारक सतर्कता और नैतिकता के बारे में जागरूकता का प्रसार करना है।

मंडल कार्यालय एवं भावनगर टर्मिनस कार्यशाला (C&W) में महिला कर्मचारियों के लिए सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना

महिला रेल कर्मचारियों के स्वास्थ्य, स्वच्छता और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए, भावनगर मंडल में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में कर्मचारी हित निधि के सौजन्य से मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा के मार्गदर्शन में मंडल कार्यालय, भावनगर परा के महिला कक्ष और भावनगर टर्मिनस कार्यशाला (C&W) में सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना की गई है। यह पहल महिला कर्मचारियों के कार्यस्थल पर स्वच्छता सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में मंडल प्रशासन की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

दिनांक 20 अक्टूबर, 2025 को मंडल कार्यालय, भावनगर परा के महिला कक्ष में इस मशीन का शुभारंभ एवं अर्पण अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन, स्थानीय कर्मचारी हित निधि के सदस्य श्री एस. के. श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष कर्मचारी उपस्थित रहे। भावनगर टर्मिनस कार्यशाला (C&W) में सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना का शुभारंभ एवं अर्पण दिनांक 26 अक्टूबर, 2025 को वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन द्वारा किया गया। इस अवसर पर सहायक मंडल यांत्रिक अभियंता श्री विजय भट्ट, सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी श्री संतोष कुमार वर्मा, स्थानीय कर्मचारी हित निधि के सदस्य श्री एस. के. श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष कर्मचारी उपस्थित रहे। आगे इस सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना रेलवे अस्पताल, भावनगर परा और C&W कार्यशाला, पोरबंदर में शीघ्र ही की जाएगी।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी महोदय ने महिला सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करते हुए वरिष्ठतम महिला कर्मचारी के माध्यम से रिबन कटवाया। इस gesture के माध्यम से उन्होंने महिलाओं के प्रति सम्मान, समान अवसर और कार्यस्थल पर उनकी गरिमा को प्राथमिकता देने का संदेश दिया। सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना न केवल महिला कर्मचारियों को आवश्यक सुविधा प्रदान करेगी, बल्कि यह उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक बनने के लिए भी प्रेरित करेगी। ऐसी मशीनों की उपलब्धता से कार्यस्थल पर स्वच्छता और आराम की भावना बढ़ेगी, जिससे कार्य निष्पादन में भी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा।

कार्यशाला के पर्यवेक्षकगणों और कर्मचारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम महिला सहयोगियों की जरूरतों को समझते हुए उठाया गया है। उपस्थित महिला कर्मचारियों ने स्थानीय कर्मचारी हित निधि एवं मंडल प्रशासन के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और इस पहल को 'महिला स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण" की दिशा में एक प्रगतिशील प्रयास बताया। भावनगर मंडल प्रशासन का यह कदम रेलवे परिवार में महिला कर्मचारियों के कल्याण के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण और आधुनिक सोच का प्रतीक है।

त्योहार समयः अब तक संचालित ट्रेनों में 1.5 करोड़ से ज्यादा लोगों ने यात्रा की

यात्रियों ने सकारात्मक अनुभव साझा किए और त्योहारों के दौरान आरामदायक और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रेलवे के प्रयासों की सराहना की

त्योहारों के बाद लौटने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए बिहार और उससे सटे उत्तर प्रदेश के 30 स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया बनाए जा रहे हैं

(जीएनएस)।

भारतीय रेल ने त्योहारों के दौरान अब तक 1.5 करोड़ से ज्यादा यात्रियों को ट्रेनों के जरिए पहुँचाया है। त्योहारों के मौसम के अंत तक यह संख्या 2.5 करोड़ से अधिक होने की संभावना है। भीड़ प्रबंधन को सुचारू बनाने के लिए, बिहार और उत्तर प्रदेश के आस-पास के इलाकों के 30 प्रमुख स्टेशनों पर बड़े होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं।

हाल के वर्षों में, रेलवे के बुनियादी ढाँचे में महत्वपूर्ण निवेश से उल्लेखनीय प्रगति हुई है। विशेष ट्रेनों की संख्या पहले केवल कुछ सौ थी, जो अब रिकॉर्ड तोड़ संख्या तक पहुँच गई है। ट्रैक निर्माण में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो एक दशक पहले मात्र 400-600 किमी प्रति वर्ष से बढ़कर आज 4,000 किमी प्रति वर्ष हो गई है।

त्योहारों के दौरान लोगों की सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रेल के प्रयास

रेलवे कर्मचारी यात्रियों की सहायता और व्यवस्था बनाए रखने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं ताकि त्योहारों के दौरान सभी सुरक्षित घर पहुँच सकें।

छठ पूजा के मद्देनजर, रेलवे ने व्यस्ततम यात्रा अवधि को संभालने के लिए व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ किया है।

बिहार के रेलवे स्टेशन त्योहारों की भीड़ को देखते हुए यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए होल्डिंग एरिया, अतिरिक्त टिकट काउंटर, सीसीटीवी निगरानी और अन्य सुविधाओं की तैयारी कर रहे हैं।

पटना रेलवे स्टेशन पर, त्योहारों के मौसम में यात्रियों की सुविधा के लिए समर्पित होल्डिंग एरिया स्थापित किया गया है। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, सीसीटीवी निगरानी के माध्यम से चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है।

भारतीय रेल ने यात्रियों की सुविधा के लिए दानापुर रेलवे स्टेशन पर समर्पित होल्डिंग एरिया भी स्थापित किया है, जिसमें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

भारतीय रेल छठ पूजा के दौरान यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रही है। दानापुर रेलवे स्टेशन पर किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एम्बुलेंस और मेडिकल टीमें 247 तैयार रखी गई हैं।

पटना के राजेंद्र नगर टर्मिनल रेलवे स्टेशन पर, समर्पित रेल कर्मचारियों ने जरूरतमंद यात्रियों की सहायता की और छठ पर्व के दौरान उनकी सुरक्षित, आरामदायक और सुखद यात्रा सुनिश्चित की।

यात्रियों ने भारतीय रेल के साथ यात्रा के सकारात्मक अनुभव साझा किए

यात्रियों ने इस त्योहारी सीजन में सुगम यात्रा अनुभव की सराहना की है, जिसमें आसान बुकिंग, साफ-सुथरे कोच और सुव्यवस्थित स्टेशन शामिल हैं।

छठ पर्व के दौरान, नई दिल्ली और पटना के बीच विशेष वंदे भारत एक्सप्रेस चल रही है। अपनी तरह की इस अनूठी पहल में, भारतीय रेल ने आज छठ के लिए घर जाने वाले यात्रियों के उत्साह को बढ़ाते हुए कई पारंपरिक छठ गीत बजाए। पूरे भारत में, वर्तमान में 156 वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाएँ चल रही हैं, जिनमें पटना और नई दिल्ली के बीच यह विशेष ट्रेन नियमित सेवाओं के अलावा चल रही है।

बिहार के जमालपुर रेलवे स्टेशन पर एक यात्री ने बताया कि विशेष ट्रेनों की संख्या बढ़ने के कारण ट्रेन में भीड़ नहीं थी। उसी स्टेशन पर एक अन्य यात्री ने बताया कि साफ-सफाई सहित सभी सुविधाएँ अच्छी तरह से रखी गई थीं और उन्हें यात्रा के दौरान किसी भी असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा।

एक यात्री ने स्वच्छता बनाए रखने के लिए भारतीय रेलवे को धन्यवाद दिया। उस यात्री ने स्टेशन पर छठ से संबंधित गीत बजाने की पहल की सराहना की, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि इससे आध्यात्मिक और उत्सव का वातावरण बन रहा है।

यात्रियों ने त्योहारों के दौरान बेहतर यात्रा व्यवस्था के लिए भारतीय रेलवे की सराहना की। एक महिला यात्री ने बताया कि उसके परिवार को कन्फर्म टिकट मिले और उन्हें कोई समस्या नहीं हुई, और उन्होंने दिल्ली स्टेशनों पर बेहतर प्रबंधन की सराहना की। अन्य यात्रियों ने समय पर ट्रेनों के आने, साफ-सुथरे डिब्बों और शौचालयों, अच्छे भोजन और बिस्तर, और कुल मिलाकर सुगम और आरामदायक यात्रा का ज़िक्र किया।

अपने विशाल नेटवर्क, समर्पित कर्मचारियों और यात्री सुविधा पर विशेष ध्यान देने के साथ, भारतीय रेल हर यात्री को कुशलतापूर्वक सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। अतिरिक्त ट्रेनें चलाने से लेकर स्वच्छता, सुरक्षा और समय की पाबंदी बनाए रखने तक, त्योहारों के दौरान सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाता है। रेल कर्मचारियों के सक्रिय कदम और कड़ी मेहनत देश भर के यात्रियों को सुरक्षित, विश्वसनीय और सुव्यवस्थित यात्रा प्रदान करने के लिए संगठन के समर्पण को दशार्ती है।

'तू चिंता ना करा, जीत तोहरे होई', बुजुर्ग महिला से लिपटकर रोई ज्योति सिंह, क्या बदलेगी तस्वीर?

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा चरम पर है, हर दल चुनाव जीतने के लिए एड़ी-चोटी का दम लगा रहा है तो वहीं रोहतास जिले की काराकाट विधानसभा सीट (संख्या 213) ज्योति सिंह की वजह से लगातार सुर्खियों में हैं। वो यहां से निर्दलीय चुनाव लड़ रही हैं और लोगों से मिल रही हैं, उनका सुख-दुख जान रही हैं तो वहीं अपना गम भी शेयर कर रही हैं।

सुपर स्टार पवन सिंह की पत्नी ज्योति ने अपना एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें वो एक बुजुर्ग महिला के गले लगकर रोती दिख रही हैं। वो महिला भी आंखों में आंसू लेकर बोल रही है, 'तू चिंता ना करा, जीत तोहरे होई, हम सब साथ हई तोहरे।'

इसके बाद वो महिला बोलती हैं कि 'इस बेटी का समर्थन ना करेंगे तो फिर किसका करेंगे, हमारी भी तो बेटी हैं, वैसने ईहो है, इसलिए हमरा पूरा समर्थन इस बेटी के साथ है।'

कई वीडियो और रील सोशल मीडिया पर वायरल

ज्योति सिंह के ऐसे कई वीडियो और रील सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, अब ये प्रेम और भावुकता वोट में बदलेंगे या नहीं ये तो आने वाला वक्त बताएगा लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि ज्योति सिंह के चुनावी रण में उतरने से यहां की लड़ाई रोचक हो गई है। आपको बता दें कि इसी क्षेत्र से ज्योति सिंह के पति पवन सिंह लोकसभा चुनाव लड़े थे लेकिन वो हार गए थे।

इससे पहले ज्योति सिंह ने लोगों से चुनाव लड़ने के लिए आर्थिक मदद करने की अपील की थी और अपना क्यूआर कोड भी शेयर किया था,जिससे लोग उनकी ऑन लाइन भी मदद कर सकें।

आपको बता दें कि पवन सिंह ने अपनी दूसरी पत्नी ज्योति सिंह के बारे में कुछ वक्त पहले एक प्रेसवार्ता करके कहा था कि 'उन्हें चुनाव लड़ना है, वो विधायिका बनना चाहती हैं और इसी कारण वो इस तरह का तमाशा कर रही हैं, मैं जब अमित शाह से मिला, उसके बाद ही उन्हें अचानक क्यों पत्नी धर्म याद आ गया।'

आप पत्नी वाला सम्मान मुझे दे दीजिएः

उस वक्त तो ज्योति सिंह ने कहा था कि 'मेरा चुनाव लड़ने का कोई इरादा नहीं है, आपसे बस मैं यही चाहती हूं कि वो आप पत्नी वाला सम्मान मुझे दे दीजिए, बाकी मुझे किसी भी चीज की इच्छा और अपेक्षा नहीं है।' लेकिन इसके कुछ वक्त बाद ज्योति सिंह ने काराकाट से चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया, हालांकि वो निर्दलीय इस इलाके से उतरी हैं।

तलाक का केस आरा कोर्ट में चल रहा, घर का झगड़ा अब सड़क पर

गौरतलब है कि पवन सिंह और ज्योति सिंह का तलाक का केस आरा कोर्ट में और गुजारा का केस बलिया में चल रहा है। ज्योति सिंह ने पवन सिंह पर उनका गर्भपात कराने और दूसरी महिलाओं से अफेयर के आरोप लगाए हैं।

लाडली बहनों के लिए खुशखबरी! जल्द खाते में आएंगे 1500 रुपये, बिना ई-केवाईसी के, जानिए कैसे

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र की मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना की लाभार्थी महिलाओं के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। राज्य सरकार ने हाल ही में अनिवार्य किए गए ई-केवाईसी प्रक्रिया को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है।

इस फैसले से न केवल लाखों महिलाओं की नाराजगी दूर हुई है, बल्कि अक्टूबर महीने की 1500 रुपये की मासिक किस्त भी बिना किसी रुकावट के उनके बैंक खातों में पहुंचने का रास्ता साफ हो गया है। लेकिन क्या यह सिर्फ राहत है या चुनावी रणनीति? आइए, इस योजना के ताजा अपडेट, कारणों और प्रभावों को विस्तार से समझते हैं।

महाराष्ट्र की महायुति सरकार ने 24 अक्टूबर 2025 को एक आधिकारिक घोषणा के माध्यम से लाडली बहिन योजना की ई-केवाईसी प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया। महिला एवं बाल विकास विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, "ई-केवाईसी को अनिवार्य करने का उद्देश्य योजना के दुरुपयोग को रोकना था, लेकिन इससे लाभार्थी महिलाओं में व्यापक असंतोष फैल गया। इसलिए, इसे अस्थायी रूप से निलंबित किया गया है। अक्टूबर की किस्त अगले कुछ दिनों में जारी कर दी जाएगी।"

इससे पहले, 5 अक्टूबर 2025 को सरकार ने योजना के नियमों में बदलाव किया था। इसके तहत न केवल लाभार्थी महिला, बल्कि शादीशुदा महिलाओं के पति या अविवाहित महिलाओं के पिता की ई-केवाईसी भी अनिवार्य कर दी गई थी। पैन कार्ड आधारित इस प्रक्रिया से परिवार की कुल वार्षिक आय (2.5 लाख रुपये से अधिक न होने) का सत्यापन होता था। लेकिन महिलाओं को यह प्रक्रिया जटिल और गोपनीयता का उल्लंघन लगी।

मंत्री नरहरी झिरवल ने 25 अक्टूबर को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "यह फैसला महिलाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। योजना का उद्देश्य उन्हें सशक्त बनाना है, न कि परेशान करना। सितंबर की किस्त के लिए 410.30 करोड़ रुपये जारी हो चुके हैं, और अक्टूबर की राशि भी इसी सप्ताह हस्तांतरित होगी।"

क्यों लगाया गया था ई-केवाईसी का जाल? दुरुपयोग रोकने की कोशिश

लाडकी बहिन योजना की शुरूआत 2024 में हुई थी, जब महायुति सरकार ने इसे चुनावी वादे के रूप में लॉन्च किया। योजना का मकसद आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं (21 से 65 वर्ष आयु वर्ग, परिवार आय 2.5 लाख से कम) को हर महीने 1500 रुपये की सहायता देकर आत्मनिर्भर बनाना है। लेकिन एक साल में ही समस्याएं उभरीं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, योजना का लाभ कुछ अमीर परिवारों या गलत पात्रताओं तक पहुंच रहा था। उदाहरण के लिए, जहां महिला की आय कम दिखाई जाती थी, लेकिन परिवार की कुल आय सीमा से अधिक थी। ई-केवाईसी को लागू करने का मुख्य कारण यही था - पिता या पति की आय सत्यापित कर फर्जी लाभार्थियों को बाहर करना। महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिती तटकरे ने 22 अक्टूबर को ट्विटर (अब एक्स) पर पोस्ट किया था, "दो महीने के भीतर ई-केवाईसी पूरी न करने पर किस्त रुक सकती है। यह योजना के शुद्धिकरण के लिए जरूरी है।"

हालांकि, इस नियम से लगभग 2 करोड़ 56 लाख लाभार्थियों में से लाखों प्रभावित हुए। कई महिलाओं ने बताया कि ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट और स्मार्टफोन की कमी से केवाईसी मुश्किल हो गया। एक लाभार्थी ने कहा, "मैं किसान की बेटी हूं, पिता की आय साबित करने के लिए दौड़-भाग क्यों? यह मेरी आजादी पर सवाल है।"

लाडकी बहिन योजना ने महायुति को 2024 विधानसभा चुनावों में भारी सफलता दिलाई, जहां महिलाओं के वोट निर्णायक साबित हुए। अब तक सरकार ने 2 करोड़ 56 लाख महिलाओं को लाभ पहुंचाया है, और कुल 14 किस्तें (अगस्त 2025 तक) वितरित हो चुकी हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजट में 3,960 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। सितंबर की किस्त दिवाली से पहले जारी हुई, और अब अक्टूबर की 1500 रुपये की राशि भाई दूज से पहले पहुंचेगी।

लेकिन अफवाहों का बाजार भी गर्म रहा। बीते दिनों सोशल मीडिया पर दावे उभरे कि योजना बंद हो जाएगी। मंत्री झिरवल ने इनका खंडन करते हुए कहा, "मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में यह योजना कभी रद्द नहीं होगी। यह महिलाओं का हक है।" विशेषज्ञों का कहना है कि ई-केवाईसी निलंबन आगामी स्थानीय निकाय चुनावों (2026) को ध्यान में रखते हुए लिया गया रणनीतिक कदम है। राजनीतिक विश्लेषक ने कहा, "यह स्कैंडल से ज्यादा स्ट्रैटेजी लगता है - महिलाओं की नाराजगी दूर कर वोट बैंक मजबूत करना।"

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

नीतीश के सीएम बनने को लेकर विपक्ष को शंका

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं एनडीए यानि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को लेकर सस्पेंस गहराता जा रहा है। महागठबंधन ने जहां तेजस्वी यादव को सीएम पेस घोषित कर चुनावी मैदान में स्पष्ट संदेश दे दिया कि चुनाव के बाद तेजस्वी ही मुख्यमंत्री बनेंगे।

वहीं एनडीए की तरफ से अब तक कोई चेहरा घोषित नहीं किया गया। जब हाल ही में वेंद्रीय गृहमंत्री और भाजपा के चाणक्य अमित शाह से यह सीधा सवाल पूछा गया कि आपके गठबंधन का सीएम पेस कौन होगा तो उन्होंने साफ कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद विधायक दल का नेता बिहार का मुख्यमंत्री तय करेगा। यानि कि उन्होंने साफ इशारा किया कि अभी मुख्यमंत्री कौन होगा यह तय नहीं किया गया। वहीं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता और महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को दावा किया कि अगर बिहार में एक बार फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनी तो नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा। राजग नेता ने दावा किया अमित शाह पहले ही साफ कर चुके हैं कि चुनाव के बाद विधायक तय करेंगे कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा। अगर राजग को सत्ता मिली तो नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि नीतीश कुमार को भाजपा ने हाईजैक कर लिया है और गुजरात के दो लोग संकेत रूप से मोदी और अमित शाह बिहार चला रहे हैं। सवाल उठता है कि नीतीश कुमार की आज क्या स्थिति है? क्या वह मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर हो चुके हैं? या फिर अंदरखाते नीतीश कोई बड़ा खेला करने जा रहे हैं? पिछले 20 साल से बिहार की राजनीति दो बिहारी नेताओं के इर्द-गिर्द घूमती रही है। लालू यादव और नीतीश कुमार। पिछले 2 दशकों से तो नीतीश ही बिहार में सबसे सियासी नेता रहे हैं। अब सवाल यही है कि क्या चुनाव के बाद भाजपा नीतीश कुमार को किनारे कर अपना मुख्यमंत्री बनवाएगी? या फिर उन्हें एक बार जनता का चेहरा बनाकर सत्ता में बिठाएगी? राजनीतिक समीकरणों और आंकड़ों की नजर से देखें तो भाजपा के लिए नीतीश को दरकिनार करना आसान नहीं है। आईए समझते हैं क्यों? 71 सीटों का गणित तय करेगा पैसला इस बार। जेडीयू 101 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इनमें से 71 सीटें ऐसी हैं, जहां नीतीश कुमार की जेडीयू का मुकाबला सीधा तेजस्वी की आरजेडी और लेफ्ट दलों से है।

यानि 70 प्रातिशत से ज्यादा सीटों पर नीतीश और तेजस्वी आमने-सामने हैं। ये बड़ी रणनीति है जो बिहार की राजनीति में सालों से देखी जाती है।

नीतीश और लालू/तेजस्वी एक-दूसरे के खिलाफ ज्यादा सीटों पर लड़ें ताकि भाजपा पर निर्भरता कम हो। बिहार में आमतौर पर यह कहना है कि दोनों लालू और नीतीश एक बात पर एकमत हैं कि बिहार में किसी भी हालत में भाजपा को घुसने नहीं देना क्योंकि एक बार भाजपा घुस गईं तो अगले 20 सालों तक कोई और पाटा सत्ता में नहीं आ सकती। नीतीश को भी अब समझ आ गया है कि राजग अगर सत्ता में आया तो उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाने वाली है। नीतीश पुराने मंझे हुए सियासी खिलाड़ी हैं। कई राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि भाजपा के भीतर अपना मुख्यमंत्री बनाने की इच्छा भले पुरानी हो, लेकिन इस बार वह समीकरण उतना आसान नहीं है। क्योंकि जेडीयू भले कम सीटों पर लड़े, लेकिन उसकी जीतने वाली सीटें आरजेडी के खिलाफ होंगी, जिससे भाजपा के दबाव की गुजाइंश कम रह जाएगी। बिहार में राजनीतिक इतिहास गवाह है कि नीतीश कभी भी पाला बदलने में झिझकते नहीं हैं। 14 नवम्बर को नतीजे जो भी हों, लेकिन संकेत साफ है कि भाजपा की रणनीतियां जितनी आव्रमक क्यों न हो, नीतीश कुमार अभी भी एनडीए की राजनीति के पावर बैलेंसर बने हुए हैं। जेडीयू के पास इतनी सीटें भले न हों कि वह सरकार अकेले बना सवें, लेकिन इतना जरूर है कि बिना उसके भाजपा का मुख्यमंत्री बनना लगभग नामुमकिन है।

मुंबई में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के करकमलों से 'इंडिया मैरीटाइम वीक 2025' का शुभारंभ

- मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात की सामुद्रिक विरासत तथा वर्तमान वैश्विक विकास की प्रभावी प्रस्तुति की
- भारत सरकार के बंदरगाह, जहाजरानी एवं जल मार्ग मंत्रालय द्वारा 27 से 31 अक्टूबर तक 'इंडिया मैरीटाइम वीक 2025' का आयोजन
- गुजरात के अलावा महाराष्ट्र, गोवा एवं ओडिशा के मुख्यमंत्रियों की भी प्रेरक उपस्थिति
- प्रधानमंत्री के दिशादर्शन में गुजरात ने 'समुद्र से समृद्धि' का मार्ग अपना कर राज्य के बंदरगाहों को समृद्धि का द्वार बनाया है : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

-: मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- गुजरात में चिप एवं शिप बनाने का इको सिस्टम विकसित हुआ है, जो प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को बल देगा
- सामुद्रिक विरासत की पिछले दो दशकों की यात्रा ने गुजरात को विश्वभर के देशों के लिए मैरीटाइम गेटवे ऑफ द नेशन बना दिया है
- राज्य में मैरीटाइम इनोवेशन, स्किल डेवलपमेंट तथा मैरीटाइम सेक्टर के समग्र इकोसिस्टम को सुदृढ़ किया जा रहा है
- देश के कुल कारगो ट्रैफिक का 40 प्रतिशत से अधिक संचालन गुजरात के बंदरगाहों पर से होता है
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए मैरीटाइम अमृतकाल विजन 2047 को साकार करने के लिए 2047 तक गुजरात के मेजर व नॉन-मेजर पोर्ट्स की क्षमता बढ़ाकर 3 हजार एमएमटीपीए करने का लक्ष्य

(जीएनएस)।

गांधीनगर, 27 अक्टूबरःमुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को मुंबई में 'इंडिया मैरीटाइम वीक 2025' के उद्घाटन अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में गुजरात ने 'समुद्र से समृद्धि' का मार्ग अपनाया है और राज्य के बंदरगाहों को समृद्धि का द्वार बनाया है।

भारत सरकार के बंदरगाह, जहाजरानी एवं जल मार्ग मंत्रालय द्वारा बॉम्बे एग्जीबिशन सेंटर में 27 से 31 अक्टूबर के दौरान आयोजित 'इंडिया मैरीटाइम वीक 2025' के उद्घाटन सत्र में श्री पटेल ने राज्य के मैरीटाइम सेक्टर के विकास की प्रभावी प्रस्तुति की।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

श्री अमित शाह के करकमलों से मुंबई में इस द्विवार्षिक मेगा इवेंट का शुभारंभ केन्द्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जल मार्ग मंत्री श्री सबार्नंद सोनोवाल तथा महाराष्ट्र, गोवा व ओडिशा के मुख्यमंत्रियों की उपस्थिति में हुआ। इस अग्रणी वैश्विक मैरीटाइम इवेंट में 100 से अधिक देशों के मैरीटाइम इंडस्ट्री के लीडर्स, इनोवेटर्स, इन्वेस्टर्स तथा स्टेकहोल्डर्स एक मंच पर सहभागी हुए।

मुख्यमंत्री ने इस समिट के उद्घाटन सत्र में गुजरात की सामुद्रिक विरासत तथा वर्तमान वैश्विक विकास की गाथा प्रस्तुत करते हुए कहा कि गुजरात में चिप तथा शिप; दोनों को विकसित करने का जो इकोसिस्टम स्थापित हुआ है, वह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को वेगवान बनाएगा।

उन्होंने कहा कि श्री नरेन्द्रभाई तथा श्री अमितभाई के मार्गदर्शन में गुजरात आज जब मैरीटाइम एक्सीलेंस का ग्लोबल लीडर बना है। जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब से यानी दो दशक पहले से गुजरात के समुद्री विकास की गौरवशाली यात्रा का प्रारंभ हुआ था। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात को 'समुद्र से समृद्धि' का विजन दिया, जिसके फलस्वरूप आज गुजरात विश्वभर के देशों के लिए मैरीटाइम गेटवे ऑफ द नेशन बन गया है।

श्री भूपेंद्र पटेल ने जोड़ा कि श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गुजरात ने पोर्ट्स को सड़क मार्ग तथा रेल नेटवर्क से जोड़कर सुदृढ़ कनेक्टिविटी प्रदान की है तथा निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी प्रोत्साहन दिया है। प्रधानमंत्री के विजन से आज गुजरात के बंदरगाह व्यापार के केन्द्रों के साथ-साथ रोजगार, उद्योग तथा विकास के जीवंत केन्द्र बने हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्य के मैरीटाइम सेक्टर की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि गुजरात ने देश को पोर्ट लेड डेवलपमेंट का एक अनूठा व सफल मॉडल दिया है। आज गुजरात देश के कुल कारगो का 40 प्रतिशत से अधिक संचालन करता है।

उन्होंने जोड़ा कि देश के एलएनजी-एलपीजी क्षेत्र में भी गुजरात अग्रसर है। दहेज में स्थित एलएनजी टर्मिनल का देश के कुल एलएनजी-एलपीजी हैंडलिंग में 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। इसके अलावा; देश के कुल जहाज रिसाइकलिंग का 98 प्रतिशत गुजरात के अलंग शिप रिसाइकलिंग यार्ड में होता है।

उन्होंने कहा कि गुजरात की मैरीटाइम पहचान केवल मॉडर्न इन्फ्रास्ट्रक्चर तक सीमित न रहते हुए राज्य के प्राचीन विरासत, वैभव एवं गौरव का भी अभिन्न हिस्सा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया के सबसे पुराने डॉकयार्ड लोथल में प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स का निर्माण हो रहा है। यह प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री के विजन 'विकास भी, विरासत भी' का जीवंत उदाहरण है।

उन्होंने इस बात की भूमिका प्रस्तुत की कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए मैरीटाइम अमृतकाल विजन 2047 को साकार करने के लिए गुजरात के मेजर व नॉन-मेजर पोर्ट्स की क्षमता 2047 तक 3 हजार एमएमटीपीए करने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ब्लू इकोनॉमी के विजन को प्रोत्साहन देने संबंधी गुजरात के प्रयासों का वर्णन करते हुए श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के इस विजन को साकार करने के लिए गुजरात अनेक ब्लू इकोनॉमी स्ट्रैटेजीस पर कार्य कर रहा है। इसके लिए मैरीटाइम इनोवेशन, स्किल डेवलपमेंट तथा मैरीटाइम सेक्टर के समग्र इकोसिस्टम को सुदृढ़ किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात ने कोस्टल कम्युनिटी डेवलपमेंट तथा फिशरीज से जुड़ी परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया है। इसी प्रकार; सागरमाला प्रोजेक्ट अंतर्गत पोर्ट मॉडर्नाइजेशन, कनेक्टिविटी तथा स्मार्ट इंडस्ट्रियल सिटी के प्रोजेक्ट्स पर भी तेज गति से कार्य हो रहा है।

उन्होंने राज्य के शिप रिसाइकलिंग उद्योग की विशेषता का वर्णन करते हुए कहा कि दुनिया के सबसे बड़े शिप रिसाइकलिंग यार्ड अलंग में स्थित इंस्टीट्यूट द्वारा 40 हजार से अधिक युवाओं का कौशल्यवर्धन भी किया गया है। इसके माध्यम से भविष्य में शिप रिसाइकलिंग सेक्टर में रोजगार तथा सुरक्षा प्रदान किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत को विश्व की टॉप फाइव शिप बिल्डिंग कंट्रीज में शामिल करने का लक्ष्य रखा है। इसके अनुरूप गुजरात वर्तमान शिप याड्र्स की कैपेसिटी बढ़ाकर कम्प्लीट सपोर्टिव पॉलिसी फ्रेमवर्क भी तैयार कर रहा है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री के विकसित तथा आत्मनिर्भर भारत विजन को साकार करने के लिए मैरीटाइम सेक्टर के इनक्लुजिव ग्रोथ पर बल दिया और मैरीटाइम अमृतकाल विजन 2047 की दिशा में सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस, गोवा के मुख्यमंत्री श्री प्रमोद सावंत, ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण मांझी, केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री शांतनु ठाकुर, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री सर्वश्री एकनाथ शिंदे व अजित पवार तथा अन्य महानुभाव उपस्थित रहे।

पृथ्वी शॉ ने खेली 222 रनों की तूफानी पारी, 34 बाउंड्री के साथ बनाया बड़ा रिकॉर्ड, अगरकर के सामने नई मुसीबत

(जीएनएस)।

भारतीय टीम से बाहर चल रहे पृथ्वी शॉ ने अपना गुस्सा दिखाना शुरू किया है। इस रणजी सीरीज में पृथ्वी शॉ ने तबाही मचाने का मन बना लिया है। चंडीगढ़ के खिलाफ मुकाबले में उनका बल्ला तूफानी अंदाज में चला है, गेंदबाजों की जमकर धुनाई देखने को मिली। शॉ ने डबल सेंचुरी जमा दी।

पहली पारी में 8 के निजी स्कोर पर आउट होने के बाद शॉ ने दूसरी पारी में धमाल मचा दिया और टी20 स्टाइल में खेलते हुए चौके-छक्कों की बरसात करते हुए गेंदबाजों का धुआं निकाल दिया। उन्होंने शतक के बाद दोहरा शतक पूरा करते हुए 21वीं सदी का बड़ा रिकॉर्ड बना दिया।

25 वर्षीय इस बल्लेबाज ने मात्र 156 गेंदों में 222 रन की धमाकेदार पारी खेली, जिसमें 29 चौके और 5 छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट

142.31 रहा, जो लाल गेंद के क्रिकेट में बेहद दुर्लभ है। मुंबई के पूर्व बल्लेबाज शॉ ने सिर्फ 73 गेंदों में शतक पूरा किया और फिर 200 रन का आंकड़ा छूने में केवल 141 गेंदें लीं। उनकी यह पारी न सिर्फ आक्रामक थी बल्कि भारतीय टीम में वापसी करने का एक प्रयास भी थी।

इस सदी का बड़ा रिकॉर्ड Prithvi Shaw के नाम

21वीं सदी में सबसे तेज रणजी दोहरा शतक जड़ने का कीर्तिमान पृथ्वी शॉ के नाम हो गया है। इसका मतलब है कि पिछले 25 सालों का यह सबसे बड़ा कीर्तिमान है। ध्यान देने वाली बात तो यह है कि इस पहले भी यह रिकॉर्ड उनके ही नाम था। साल 2019/20 में बड़ौदा के खिलाफ मैच में उन्होंने 174 गेंदों में दोहरा शतक जमाया था।

91 साल के रणजी इतिहास में एलिट डिविजन में पृथ्वी शॉ से तेज डबल सेंचुरी एक बार बनी है। यह रवि शास्त्री के बल्ले से आई थी, उन्हों बड़ौदा के खिलाफ मुंबई के लिए खेलते हुए 123 गेंदों में डबल सेंचुरी मारी थी। यह साल 1983/84 की बात है। टॉप चार सबसे तेज रणजी डबल सेंचुरी में पृथ्वी शॉ का नाम दो बार है। इस डबल हंड्रेड से अजित अगरकर के लिए मुसीबत खड़ी होगी, भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टेस्ट सीरीज की टीम घोषित होनी है।

कौन हैं आम्रपाली दुबे का पति? सुहागिन की तरह क्यों छठ मना रहीं एक्ट्रेस? क्या कर ली शादी?

(जीएनएस)।

भोजपुरी सिनेमा की क्वीन आम्रपाली दुबे इन दिनों छठ पूजा के रंग में पूरी तरह रंगी नजर आ रही हैं। भक्ति और उत्साह से सराबोर आम्रपाली ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर छठ पर्व की खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं।

भोजपुरी क्वीन आम्रपाली दुबे का पति कौन है?

इन तस्वीरों को देखने के बाद फैंस न सिर्फ आम्रपाली दुबे की खूबसूरती की तारीफ कर रहे हैं बल्कि कई लोग ये जानने को उत्सुक हैं कि आखिर भोजपुरी क्वीन आम्रपाली दुबे का पति कौन है?

सुहागिन लुक में दिखीं आम्रपाली दुबे

-आम्रपाली दुबे ने अपने इंस्टाग्राम पर छठ पूजा के मौके पर कई तस्वीरें और वीडियोज शेयर किए हैं। इन तस्वीरों में वह पूरी तरह पारंपरिक सुहागिन लुक में नजर आ रही हैं। उन्होंने पीले रंग की खूबसूरत साड़ी, हाथों में चूड़ियां, नाक में नथ और माथे पर सिंदूर लगाया हुआ है।

-इतना ही नहीं एक्ट्रेस के गले में मंगलसूत्र भी नजर आ रहा है। आम्रपाली दुबे के इस लुक को देखकर फैंस को लगा कि शायद उन्होंने गुपचुप तरीके से शादी कर ली है।

आम्रपाली दुबे ने पोस्ट के कैप्शन

में लिखी ऐसी बात

-छठ की तस्वीरों क शेयर करते हुए आम्रपाली दुबे ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है- सब कहु के छठ पूजा के अत्यंत शुभकामना एवं बधाई। छठी मैया के कृपा हमेशा बनल रहो। जय छठी मैया।

-आम्रपाली दुबे का ये पारंपरिक अंदाज और श्रद्धा से भरा लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। ऐसे में कई लोग एक्ट्रेस से पूछ रहे हैं कि उनका पति कौन है?

लोगों ने आम्रपाली दुबे से पूछे ऐसे सवाल

आम्रपाली दुबे की पोस्ट पर फैंस ने खूब प्यार बरसाया है लेकिन साथ ही लोगों ने कई तरह के सवाल भी किए है। एक यूजर ने लिखा है- इनका पति कौन है? वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा है- क्या इन्होंने शादी कर ली है? कुछ यूजर्स ने ये भी लिखा है कि सिंदूर और मंगलसूत्र जैसी चीजें केवल फोटोशूट के लिए नहीं होनी चाहिए।

नए छठ गीत के प्रमोशन का हिस्सा

-इन तमाम चचाओं के बीच फैंस इस कन्फ्यूजन में हैं कि आखिर आम्रपाली दुबे ने ये पारंपरिक लुक क्यों अपनाया है। आपको बता दें कि आम्रपाली दुबे की ये तस्वीरें उनके नए छठ गीत के प्रमोशन का हिस्सा हैं। इस गाने में वह भोजपुरी सुपरस्टार दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' के साथ नजर आ रही हैं। पोस्ट में उन्होंने साफ किया कि ये फोटोज उनके गाने की शूटिंग के दौरान की हैं।

-आम्रपाली दुबे ने लिखा है- जय छठी मैया। सभी को छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं। हमारे गाने को इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद। आपकी रील्स का इंतजार रहेगा। पूरा गाना देखने के लिए Amrapali Dubey Official यूट्यूब चैनल पर जाएं, लिंक बायो में है।

-आम्रपाली दुबे के इस पारंपरिक अवतार पर फैंस लगातार तारीफों के पुल बांध रहे हैं। किसी ने उन्हें भोजपुरी की सबसे खूबसूरत देवी कहा है तो किसी ने छठी मैया की सच्ची भक्त बोला है।

-आम्रपाली दुबे ने एक बार फिर अपने ट्रेडिशनल लुक से फैंस का दिल जीत लिया है और ये साबित कर दिया कि वह सिर्फ एक स्टार नहीं, बल्कि भोजपुरी संस्कृति की असली पहचान हैं।

भारत के आगामी सीजेआई, जिनके 10 ऐतिहासिक फैसलों ने हिलाई राजनीति

सुप्रीम कोर्ट में सियासी भूचाल लाने वाले फैसलों के लिए मशहूर जस्टिस सूर्यकांत अब भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश (CJI) बनने की कगार पर हैं। मौजूदा उखक जस्टिस बीआर गवई के 23 नवंबर 2025 को रिटायरमेंट के बाद 24 नवंबर को जस्टिस सूर्यकांत शपथ लेंगे और फरवरी 2027 तक देश की न्यायिक कमान संभालेंगे। हरियाणा के छोटे से शहर हिसार के साधारण परिवार से निकले इस जज ने मेहनत और ईमानदारी से न सिर्फ सुप्रीम कोर्ट का रास्ता तय किया, बल्कि उनके 10 बड़े फैसलों ने केंद्र-राज्य सरकारों के बीच तीखी बहस छेड़ दी।

अनुच्छेद 370 से लेकर पेगासस जासूसी, OROP योजना, AMU के अल्पसंख्यक दर्जे, PM सिक्योरिटी चूक, प्रोफेसर महमूदाबाद की अंतरिम जमानत, भूमि अधिग्रहण के 'बेल्टिंग मेथड', सोशल मीडिया पर फ्री स्पीच, महिला सरपंच की बहाली, और बैर एसोसिएशन में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण-इन फैसलों ने राजनीतिक हलचल मचा दी। आखिर कौन हैं ये जस्टिस सूर्यकांत, जिनका कार्यकाल न्यायिक इतिहास में नया अध्याय लिख सकता है? आइए, उनके 10 फैसलों पर डालते हैं नजर, जो देश की सियासत को दिशा देने वाले साबित हुए...

10 फरवरी 1962 को हरियाणा के हिसार जिले के पेटवार गांव में एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे जस्टिस सूर्यकांत ने कभी कल्पना भी न की होगी कि वो हरियाणा के पहले उखक बनेंगे। 1981 में हिसार के गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज से ग्रेजुएशन करने के बाद, 1984 में महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी, रोहतक से लॉ की डिग्री ली। उसी साल हिसार जिला कोर्ट में वकालत शुरू की, लेकिन 1985 में पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट चले गए। संवैधानिक, सिविल और सर्विस मामलों में महारत हासिल करने वाले सूर्यकांत कई यूनिवर्सिटी, बोर्ड और बैंकों के

लीगल एडवाइजर बने। उनकी काबिलियत देखते हुए हरियाणा सरकार ने उन्हें एडवोकेट जनरल बनाया।

2004 में पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के जज बने, जहां उन्होंने जेल रिफॉर्म्स और जेंडर जस्टिस पर लैंडमार्क फैसले दिए। 2018 में हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस बने। 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। यहां 300 से ज्यादा बेंच पर बैठे, 1000 से अधिक फैसलों में योगदान दिया। 2024 से सुप्रीम कोर्ट लीगल सर्विसेज कमिटी के चेयरमैन और नेशनल लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (NALSA) के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन हैं। मई 2025 में ठअछरअ चेयरमैन बने। उनका कार्यकाल सामाजिक न्याय, मानवाधिकार और प्रशासनिक सुधारों पर फोकस करता दिखता है। जस्टिस सूर्यकांत का सफर मेहनत का प्रतीक है- एक ऐसे जज जो 'सोशल एम्पैथी' और 'कॉन्स्टिट्यूशनल क्लैरिटी' का बैलेंस रखते हैं।

जस्टिस सूर्यकांत के फैसले न सिर्फ कानूनी किताबों में दर्ज हैं, बल्कि उन्होंने राजनीतिक बहसों को नई ऊंचाई दी। यहां उनके 10 प्रमुख फैसलों की झलक, जो केंद्र-राज्यों के बीच तनाव बढ़ाने और सामाजिक बदलाव लाने वाले साबित हुए:-

अनुच्छेद 370 हटाने का समर्थन (दिसंबर 2023): पांच जजों की संविधान पीठ का हिस्सा रहे जस्टिस सूर्यकांत ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को खत्म करने के केंद्र के फैसले को वैध ठहराया। इस फैसले ने विपक्षी दलों में भारी हंगामा मचाया और संघीय ढांचे पर बहस छेड़ दी।

PM सिक्योरिटी चूक जांच समिति (2022): नरेंद्र मोदी की पंजाब यात्रा के दौरान हुई सुरक्षा लापरवाही पर जस्टिस इंदु मल्होत्रा की अगुवाई वाली बेंच में शामिल होकर पांच सदस्यीय जांच समिति गठित की। इससे केंद्र और पंजाब सरकार के बीच सियासी जंग तेज हो गई, और 'फेडरल सिक्योरिटी' मुद्दा गरमाया।

OROP योजना को वैध ठहरायाः सशस्त्र बलों के लिए 'वन रैंक वन पेंशन' योजना को संवैधानिक करार दिया। साथ ही, महिलाओं को सेना में स्थायी कमीशन के बराबर मौके देने पर सुनवाई की, जिसने लैंगिक समानता को बढ़ावा दिया और वीर नारियों के अधिकारों पर चर्चा छेड़ी।

AMU के अल्पसंख्यक दर्जे पर पुनर्विचार (2024): सात जजों की बेंच में हिस्सा लेकर 1967 के फैसले को पलट दिया। 1981 के दो जजों के रेफरल को 'बैड इन लॉ' बताते हुए चीफ जस्टिस के बेंच रोस्टर अधिकार पर जोर दिया। इससे शैक्षणिक संस्थानों के दर्जे पर नई सियासी बहस शुरू हुई।

पेगासस जासूसी मामले में सख्त रुख (2021): पेगासस स्पाइवेयर जांच वाली बेंच में शामिल होकर साइबर एक्सपर्ट कमिटी गठित की। 'नेशनल सिक्योरिटी' के नाम पर मनमानी न करने का आदेश दिया, जिसने प्राइवेसी राइट्स पर देशव्यापी डिबेट छेड़ी और विपक्ष ने इसे 'सरकारी जासूसी' का सबूत बताया।

प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को अंतरिम जमानत (21 मई 2025): हजरियाना पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पोस्ट (ऑपरेशन सिंदूर) पर गिरफ्तारी के खिलाफ जस्टिस एन. कोटेश्वर सिंह के साथ बेंच ने अंतरिम जमानत दी। लेकिन पासपोर्ट जमा और सोशल मीडिया पर सख्त शर्तें लगाईं। कोर्ट की 'हम जानते हैं कैसे डील करें' वाली भाषा ने अभिव्यक्ति स्वतंत्रता पर विवाद खड़ा कर दिया।

भूमि अधिग्रहण 'बेल्टिंग मेथड' को मान्यता (2025): राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास जमीन के मूल्यांकन में 'प्रॉक्सिमिटी प्रीमियम' को वैध ठहराया। इससे मुआवजे में पारदर्शिता आई, लेकिन आलोचकों ने छोटे किसानों को नुकसान का हवाला देकर सियासी हमला बोला।

सोशल मीडिया पर फ्री स्पीच केस (2025): बेंच ने ऑनलाइन टिप्पणियों पर 'कॉशन एंड रेस्ट्रेंट' का आदेश दिया।

भारत के खिलाफ दक्षिण अफ्रीकी टेस्ट टीम का ऐलान

(जीएनएस)।

पाकिस्तान में खेलने के बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम भारत दौरे पर आने वाली है। दो टेस्ट की सीरीज के अलावा सफेद गेंद सीरीज भी खेली जाएगी। टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम का ऐलान कर दिया गया है। इसमें एक दिग्गज खिलाड़ी की वापसी हुई है।

दक्षिण अफ्रीकी टीम के कप्तान टेम्बा बवुमा फिट होकर वापस लौट आए हैं, यह टीम के लिए राहत की बात कही जा सकती है। बवुमा को पिंडली में चोट लग गई थी, अब वह ठीक होकर वापस लौट आए हैं। टीम को उनके आने से फायदा निश्चित तौर पर होगा।

पाकिस्तान दौरे से दक्षिण अफ्रीका ने वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के नए चक्र की शुरूआत की थी, दक्षिण अफ्रीकी टीम ने दूसरा टेस्ट जीतकर वहां सीरीज बराबर कर दी थी। टेम्बा बवुमा इस दौरे पर दक्षिण अफ्रीकी

टीम का हिस्सा नहीं रहे। पाकिस्तान में रावलपिंडी टेस्ट जीत में स्पिन तिकड़ी केशव महाराज, साइमन हार्मर और सेनुरन मुथुसामी का अहम योगदान रहा था। अब इन तीनों को भारत दौरे पर भी टीम में शामिल किया गया है।

दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी लाइनअप टेम्बा बावुमा की वापसी से और मजबूत हो गई है। टीम में अब एडन मार्करम, टोनी डी जॉर्जी, डेवाल्ड ब्रेविस, जुबैर हमजा और रायन रिकेलटन जैसे बल्लेबाज शामिल हैं, जबकि काइल वेरेयने टीम के निर्धारित विकेटकीपर होंगे।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डंस स्टेडियम में खेला जाएगा, यह मैच 14 नवंबर से शुरू होगा। दूसरा टेस्ट मैच 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाना है। दक्षिण अफ्रीका के लिए काम आसान नहीं होगा लेकिन पाकिस्तान में हासिल की गई जीत से मनोबल जरूर बढ़ा होगा।

दक्षिण अफ्रीकी टीम में ये खिलाड़ी शामिल

टेम्बा बवुमा (कप्तान), कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी जोरजी, जुबैर हमजा, साइमन हार्मर, मार्को जानसन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, वियान मुल्डर, सेनुरान मुथुसामी, कैगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स, काइल वेरियने।

भजन कीर्तन एवं सत्संग के बाद अटूट लंगर का आयोजन

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। सफदरगंज जैदपुर मार्ग पर स्थित ग्राम इन्धौलिया मे सेवादार अवधेश कुमार वर्मा के आवास पर परम संत बलजीत सिंह का 63 वां जन्मदिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। भजन कीर्तन एवं सत्संग के बाद अटूट लंगर का आयोजन किया गया। भंडारे में सैकड़ो की तादात में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

संत बलजीत सिंह के जन्मदिवस के अवसर पर सेवादार प्रचारक पंडित नागेंद्रनाथ मिश्रा, सेवादार अवधेश कुमार वर्मा ने माल्यार्पण किया। सेवादार प्रचारक पंडित नागेंद्रनाथ मिश्रा ने कहा कि जब हम अपने निजी कार्यों को करते हैं तो उससे पहले तैयारी करनी पड़ती है इस प्रकार अगर हम अपने जीवन को सफल बनाना चाहते हैं तो पूर्ण गुरु के नाम दान दीक्षा लेकर के इस जीवन को सफल बना सकते हैं।

इस मौके पर आयोजित भंडारे मे आसपास गांवो के सैकड़ो भक्तो ने प्रसाद ग्रहण किया।

जोगराजपुर स्टेशन चौराहे का हैंडपंप खराब: ग्रामीण परेशान, प्रशासन से मरम्मत और कार्रवाई की मांग

(जीएनएस)।

पीलीभीत के जोगराजपुर स्टेशन चौराहे पर लगा सार्वजनिक हैंडपंप कई महीनों से खराब पड़ा है। जंग लगे पाइप से पानी बंद हो गया और ऊपरी हिस्सा गायब है। इससे यात्रियों, दुकानदारों और ग्रामीणों को पेयजल के लिए भारी परेशानी हो रही।

स्थानीय लोगों ने बताया कि यह क्षेत्र का मुख्य जलस्रोत था। अब दूर-दूर तक पानी के लिए भटकना पड़ रहा। ग्रामवासियों ने खराब हैंडपंप की तत्काल मरम्मत, नल रिबोरिंग की जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की, ताकि स्वच्छ पानी की सुविधा मिले। प्रशासन से उम्मीद है कि जल्द कार्रवाई हो।

मीशो कंपनी में 45 मजदूरों की मजदूरी बकाया, दीपावली बनी फीकी मधुकर कुमार पर लगाए आरोप

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के नीवा मेमौरा, छावनी एयर फोर्स के पास स्थित मीशो कंपनी में काम करने वाले 45 मजदूरों को दो महीने बीत जाने के बाद भी उनकी मजदूरी नहीं मिली है। मजदूरों का आरोप है कि कंपनी के मैनेजर मधुकर कुमार जानबूझकर उनकी सैलरी रोक रहे हैं। मजदूरों ने बताया कि यह मामला नया नहीं है, बल्कि इससे पहले भी कई बार इसी प्रकार मजदूरों की मेहनत की कमाई हड़प ली गई है। मजदूरों के अनुसार, 18 अक्टूबर 2025 को जब उन्होंने अपनी शिकायत पत्रकारों से बताई तो पत्रकारो ने तुरंत जा करके कंपनी मैनेजर से बातचीत की। कंपनी मैनेजर मधुकर कुमार ने खुद कहा था कि 27 अक्टूबर को सभी मजदूरों को उनका वेतन दे दिया जाएगा। लेकिन अब 27 अक्टूबर की तारीख भी निकल चुकी है, फिर भी किसी मजदूर को एक भी रुपया नहीं मिला है मजदूरों ने बताया कि बिना वेतन के उन्हें दीपावली जैसे बड़े त्यौहार को भी घर में उदासी के साथ बिताना पड़ा। कई मजदूरों ने बताया कि घर का खर्च चलाना भी कठिन हो गया है। जब मजदूरों ने मैनेजर से मजदूरी देने की मांग की, तो उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। मजदूरों का आरोप है कि मीशो कंपनी में यह नियमित प्रथा बन चुकी है। कंपनी हर महीने नए मजदूरों को काम पर रखती है, उनसे कुछ समय तक काम करवाकर उनकी मजदूरी रोक लेती है और बाद में उन्हें निकाल देती है। इस तरह कंपनी का लाभ तो बढ़ रहा है, लेकिन मजदूरों की मेहनत पर पानी फिर रहा है मजदूरों ने कहा कि इस बार भी 45 मजदूरों की मजदूरी हड़प ली गई है और अब वे न्याय के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। मजदूरों ने इस पूरे मामले की शिकायत लखनऊ के जिलाधिकारी (डीएम) विशाख जी से की है और साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के जनता दरबार में भी शिकायत पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। सूत्रों के अनुसार, अधिकारियों ने डीएम विशाख जी से इस संबंध में जवाब मांगा है। मजदूरों की मांग है कि कंपनी मैनेजर मधुकर कुमार पर सख्त कार्रवाई की जाए और सभी मजदूरों की मेहनत की कमाई तुरंत दिलाई जाए। मजदूरों का कहना है कि वे केवल अपना हक मांग रहे हैं — 'हमारी मेहनत की सैलरी हमें दिलाई जाए, बस इतना ही चाहते हैं।'

जिलाधिकारी ने छठ पूजा के दृष्टिगत संगम नोज, बलुआघाट सहित अन्य घाटों पर पहुंचकर की गयी व्यवस्थाओं का लिया जायजा

घाटों पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें बनाये रखने के दिए निर्देश

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा ने कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष में सूर्य षष्ठी डाला छठ पर्व को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत सोमवार को संगम नोज, गउघाट, बलुआघाट, दशाश्वमेघ घाट सहित अन्य घाटों पर पहुंचकर छठ पूजा की तैयारियों के दृष्टिगत की गयी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने छठ पूजा के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत की गयी प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, गोताखोर, बैरिकेटिंग, चौजिंग रूम, मोबाइल टॉयलेट सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को देखा तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को प्रकाश की समुचित व्यवस्था बनाये रखने, घाटों पर साफ-सफाई की अच्छी एवं मुकम्मल व्यवस्था के लिए नगर निगम को निर्देशित किया है। पुलिस प्रशासन को यातायात, पार्किंग तथा सुरक्षा आदि की समुचित व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश दिए है। उन्होंने गहरें पानी की सूचना के दृष्टिगत घाटों पर लगाए गए साइनेज एवं बैरिकेटिंग को भी देखा। उन्होंने सभी सम्बंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में घाटों का भ्रमण कर सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित बनाये रखने के निर्देश दिये है। आयोजन स्थलों पर एम्बुलेंस की व्यवस्था के साथ ही सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किये जाने के लिए कहा है। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त श्री साई तेजा,अपर नगर आयुक्त श्री दीपेन्द्र यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

भगवान श्री 1008 नेमिनाथ का गर्भकल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। कस्बे में कार्तिक सुदी छठ को भगवान श्री 1008 नेमिनाथ का गर्भकल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान और एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

महोत्सव की शुरूआत सुबह भगवान के विधिवत अभिषेक और पूजन कार्यक्रम से हुई। इसके बाद जैन मंदिर में विराजमान महाराज श्री 108 सोमदत्त सागर जी के चातुर्मास समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पीछी परिवर्तन, कमंडल भेंट और शास्त्र भेंट जैसे कार्यक्रम बोली के माध्यम से संपन्न हुए।

अभिषेक पूजन और शांति धारा के उपरांत भगवान 1008 नेमिनाथ स्वामी की प्रतिमा को एक रथ पर विराजमान कर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। बाराबंकी के विधान परिषद सदस्य अंगद सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। के.सी. जैन एडवोकेट ने सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत और सम्मान किया।

रथयात्रा जुलूस में जैन समाज के विभिन्न क्षेत्रों से आए बड़ी संख्या में भक्तगण, महिलाएं, बच्चे और पुरुष शामिल हुए। श्रद्धालु नाचते-गाते, झूमते और भजन गाते हुए आगे बढ़ रहे थे। जगह-जगह जैन समाज के लोगों ने अपने प्रतिष्ठानों और घरों के सामने भगवान की आरती पूजन की और प्रसाद वितरण किया। जुलूस में घोड़ा गाड़ी, बग्घी और हाथों में झंडियां लिए बच्चे भी शामिल थे।

शोभायात्रा त्रिलोकपुर बाजार में भ्रमण करते हुए छोटे मंदिर से प्रारंभ होकर बड़े मंदिर पर समाप्त हुई। बड़े मंदिर में पहुंचने पर समाज द्वारा सभी श्रद्धालुओं के लिए भोजन की व्यवस्था की गई थी, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। रथयात्रा के समापन पर बड़े मंदिर में भगवान का पुनः अभिषेक पूजन किया गया।

इस कार्यक्रम में के.सी. जैन, श्रीचंद जैन, कल्याणचंद जैन, राजू जैन, सुनील जैन, विजय जैन, शांति जैन, मुकेश जैन सहित कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए मसौली थाना प्रभारी अमित प्रताप सिंह के नेतृत्व में महिला थाना, देवा थाना और बदोसराय थाने की पुलिस फोर्स के साथ त्रिलोकपुर चौकी प्रभारी संजय यादव अपनी टीम के साथ तैनात रहे।

जल्द सीज होगी गुरुद्वारे के सामने बन रही अवैध कमर्शियल बिल्डिंग

(जीएनएस)।

लखनऊ। नाका थाना क्षेत्र स्थित गुरुद्वारे के सामने बन रही अवैध कमर्शियल बिल्डिंग पर अब कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के उच्च अधिकारियों ने इस निर्माण को लेकर सख्ती दिखाते हुए इसे जल्द सील करने के निर्देश दिए हैं। लखनऊ विकास प्राधिकरण जोन 6 की जोनल अधिकारी वंदना पांडे ने पत्रकार से दूरभाष पर हुई वार्ता में उन्होंने बताया कि ह्लगुरुद्वारे के सामने जो निर्माण कार्य हो रहा है, वह बिना वैध अनुमति के किया जा रहा है। इस संबंध में पहले ही नोटिस जारी किया जा चुका है। यदि निर्माण कार्य नहीं रोका गया तो एलडीए टीम जल्द ही मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करेगी और बिल्डिंग को सीज किया जाएगा।ह्व सूत्रों के अनुसार, बिल्डर द्वारा पहले से ही नोटिस मिलने के बावजूद निर्माण कार्य जारी रखा गया, जिससे प्राधिकरण के नियमों की खुलेआम अवहेलना की जा रही है।

एलडीए की कार्रवाई के बाद इस अवैध निर्माण पर रोक लगने की उम्मीद जताई जा रही है।

प्रमुख समाजसेवी द्वारा संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का भव्य कलश शोभा यात्रा संपन्न

(जीएनएस)।

लखनऊ। आज नन्दन तालाब निवासी अजय मिश्रा, पीलू मिश्रा के संगीतमय भागवत कलश यात्रा में अरैल पार्षद प्रदीप महरा, सरिता देवी, अनिल मिश्र, प्रबंधक अंकित विद्या निकेतन इंटर कॉलेज पूर्व प्रधान मुरली निषाद, शिव शंकर दीक्षित, बृजेश मिश्र, कमलेश मिश्र, शैलेंद्र शर्मा, पंकज शर्मा, अखिलेश तिवारी, लल्लू कुशवाहा उपस्थित रहे। संगीतमय भागवत कथा का भव्य कलश यात्रा एक धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं। इस यात्रा में महिलाएं सिर पर कलश धारण कर मांगलिक गीतों के साथ गांव की परिक्रमा करती हैं और भागवत महापुराण की कथा सुनाई जाती है। कलश यात्रा का उद्देश्य भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और पूजा करना है, और यह आयोजन समाज में प्रेम, सद्भाव और नैतिक मूल्यों का प्रसार करने के लिए किया जाता है। इस दौरान भजन-कीर्तन, हरे राम, हरे कृष्ण के जयघोष और ढोल-नगाड़ों की धुन से वातावरण भक्तिमय बना रहता है।

कलश शोभा यात्रा नंदन तालाब से प्रारंभ होकर रामनगर कृष्णा नगर शिवनगर सैनिक कालोनी होते हुए कथा स्थल पर जाकर समाप्त हुई आपको बताते चले कि यह झ भवन श्री रामनगर चौराहा द्वारा आयोजित किया गया।

दिल्ली में राष्ट्रीय कृषि छात्र सम्मेलन में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने की सहभागिता

कृषि के छात्रों से केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का हुआ सार्थक संवाद

होना चाहिए

दुनिया में हो रहे बेहतर प्रयोगों का अध्ययन कर अपने देश में भी लागू करने के उपाय करें कृअफ - श्री शिवराज सिंह

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में आज पूसा, दिल्ली में राष्ट्रीय कृषि छात्र सम्मेलन का वृहद आयोजन किया गया, जिसमें देशभर के कृषि छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में शामिल हुए, वहीं हजारों विद्यार्थी वर्चुअल भी जुड़े थे। साथ ही, कृषि वैज्ञानिक, प्राध्यापक और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (कृअफ) तथा कृषि विश्वविद्यालयों के पदाधिकारी भी शामिल हुए और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री भागीरथ चौधरी वर्चुअल शामिल हुए।

इस महत्वपूर्ण सम्मेलन का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में नवाचार, रिसर्च, आधुनिक तकनीकों व ज्ञान का आदान-प्रदान सुनिश्चित करना था। इसमें विद्यार्थियों को कृषि विज्ञान के आधुनिक आयाम और सरकार की नीतियों से अवगत कराया गया, वहीं इस मंच के माध्यम से कृषि शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, युवा प्रतिभाओं को प्रेरित करने और कृषि में शोध कार्य को गति देने का प्रयास किया गया।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने संबोधन में इस बात पर चिंता जताई कि कृषि शिक्षा से जुड़े कई पद खाली पड़े है, उन्होंने बेहतर कृषि शिक्षा के लिए सभी खाली पद शीघ्र भरने के निर्देश कृअफ के महानिदेशक को दिए, साथ ही कहा कि सुचारू कृषि शिक्षा और राज्यों में विश्वविद्यालयों तथा कॉलेजों में खाली पड़े सभी पद शीघ्र भरने के लिए वे सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र भी भेजेंगे और वहां के कृषि मंत्रियों से भी चर्चा करेंगे।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने स्पष्ट रूप से कहा कि कृषि के छात्र-छात्राओं के भविष्य से किसी भी कीमत पर खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में बनाई गई नई शिक्षा नीति के अनुरूप देश में कृषि की भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना बहुत आवश्यक हैं। श्री शिवराज सिंह ने कमियों को दूर करने के लिए कृषि विद्यार्थियों की एक टीम बनाकर रचनात्मक सुझाव लेने के भी कृअफ को निर्देश दिए।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय और कॉलेजों की ग्रेडिंग के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होना चाहिए। दुनिया में हो रहे बेहतर प्रयोगों का अध्ययन कर अपने देश में भी लागू करने के उपाय कृअफ करें।

श्री शिवराज सिंह ने कहा कि खेती और गांव हमने मिलकर विकसित कर दिए तो पलायन भी रुकेगा, यह भी देशसेवा हैं। उन्होंने कहा कि हम आत्मनिर्भर बनें, ताकि किसी भी देश पर हमारी निर्भरता नहीं रहे। विकसित और आत्मनिर्भर भारत, खेती के विकास के बिना नहीं हो सकता। यह भी देखें कि कृषि निर्यात और कैसे बढ़ सकता है। सालभर में कम से कम एक बार कृषि के विद्यार्थियों को किसानों के खेतों पर जाना ही चाहिए, ताकि उन्हें व्यवहारिक ज्ञान मिल सकें। किसानों की प्रेक्टिकल प्रॉब्लम्स क्या है, यह जानने के साथ ही उनका समाधान भी छात्र -छात्राएं सोचें। हमें कृषि का पूरा परिदृश्य बदलना है, जिसमें कृषि के छात्र-छात्राएं भी अपना योगदान दें।

श्री शिवराज सिंह ने कहा कि कृषि के छात्र साधारण जीवन नहीं जिए, बल्कि एक लक्ष्य तय कर उसे पूरा करने के लिए उद्देश्यपूर्ण जीवन जीयें, जीना उसका जीना है, जो औरों को जीवन देता है।

कृअफ के कृषि शिक्षा प्रभाग और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (कृअफ्क) द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में कृषि छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए व केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह से सीधा संवाद स्थापित किया। विद्यार्थियों ने कृषि क्षेत्र में आ रहे बदलावों, नई तकनीकों व सरकार की नीतियों से जुड़कर आगे बढ़ने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, वहीं अपनी समस्याएं भी बताई। श्री चौहान ने छात्र- छात्राओं की बातों को गंभीरता से सुनकर समस्याओं का समुचित समाधान करने की बात कही, वहीं सभी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

जोगराजपुर में आस्था का महापर्व छठ माता की जयकारों से गूंजा नहर तट, श्रद्धालुओं ने की अराधना

(जीएनएस)।

पीलीभीत,पूरनपुर,के जोगराजपुर गांव में सोमवार को आस्था के महापर्व पर श्री बालाजी मंदिर नहर के तट पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। विशेष पूजा-अर्चना के बीच सैकड़ों श्रद्धालुओं ने कदम रखकर छठ माता की अराधना की और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

यह आयोजन नवरात्रि समापन के साथ छठ पूजा की शुरूआत का प्रतीक था। स्थानीय मंदिर बालाजी को रंग-बिरंगे फूलों और दीयों से सजाकर जगमगा दिया। महिलाओं ने मां दुर्गा के स्वागत में कजरी गाई, तो पुरुषों ने भजन-कीर्तन से माहौल भक्तिमय कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि यह परंपरा एकता,आस्था और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती है।

पुलिस ने भीड़ प्रबंधन के लिए सुरक्षा के इंतजाम किए। पर्व के दौरान प्रसाद वितरण हुआ जोगराजपुर के इस उत्सव ने क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया।

आयोजकः सुनील कुमार गुप्ता, हमीरपुर, पूरनपुर, पीलीभीत।